कार्यालय प्राचार्य, शासकीय होलकर
(आदर्श, स्वशासी) विज्ञान महाविद्यालय, इन्दौर

भंवरकुआ, ए.बी. रोड़, इन्दौर (म.प्र.) फोन–0731–2446806 Email-heghscind@mp.gov.in, principalhsc@rediffmail.com

————————————

दिनांक :– 01.09.2026

आवश्यक सूचना

महाविद्यालय के समस्त विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि कार्यालय आयुक्त, उच्च शिक्षा, भोपाल के पत्र क्रमांक/1315/272/आउशि/अकादमी/2026 भोपाल, दिनांक 18.08.2026 के तहत म.प्र. स्थापना दिवस पर 'पंच परिवर्तन' के ''पारम्परिक सांस्कृतिक स्वबोध'' पर सामाजिक/सामुदायिक संवाद आयोजन मध्यप्रदेश स्थापना दिवस–दिनांक 31 अक्टूबर–01 नंवबर 2026 को धर्मराजेश्वर ब्राहणशैलमंदिर, हरिहरक्षेत्र, मंदसौर में किया जा रहा है, जिसकी पंजीयन लिंक निम्नानुसार है। इच्छुक विद्यार्थी पंजीयन करवाकर कार्यक्रम में सहभागिता कर सकते हैं :–

www.indianvouthpartiament.co.in

संलग्न :– संदर्भित–पत्र की छायाप्रति।

प्रशासनिक अधिकारी प्राचार्य

कार्यालय आयुक्त, उच्च शिक्षा, मध्यप्रदेश
सतपुड़ा भवन, भोपाल–462004

क्रमांक 1315/272/आउशि/अकादमी/2026 भोपाल, दिनांक 18/08/2026

प्रति,

1. कुलसचिव,
   समस्त शासकीय विश्वविद्यालय, मध्यप्रदेश।
2. सचिव,
   मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग, भोपाल।
3. प्राचार्य,
   समस्त शासकीय महाविद्यालय,
   मध्यप्रदेश।

विषय– मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर 'पंच परिवर्तन' के अन्तर्गत **"पारम्परिक सांस्कृतिक स्वबोध" पर आधारित"** भारत की जनपदीय सांस्कृतिक धरोहरों तथा लोक संस्कृति के अद्भुत स्थापना" पर सामाजिक/सामुदायिक संवाद आयोजन में उच्च–तकनीकी शिक्षा विभाग के सहयोग की आकांक्षा।

संदर्भ– राष्ट्रीय संयोजक, भारतीय युवा संसद, मध्य भारत राष्ट्रीय सत्रः पारम्परिक सांस्कृति स्वबोध, धर्मराजेश्वर **ब्राह्मणशैलमन्दिर, हरिहरक्षेत्र, मन्दसौर का पत्र क्रमांक** : 10/31–01/11, दिनांक 05 अगस्त, 2026

––0––

उपरोक्त विषयान्तर्गत संदर्भित पत्र एवं सहपत्र संलग्न कर आपकी ओर आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है। संदर्भित पत्र में दिए गए निर्देशानुसार **मध्यप्रदेश स्थापना दिवस 31 अक्टूबर – 01 नवम्बर, 2026** को भारतीय युवा संसद न्यस तथा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में **"स्वबोध"** के इस ऐतिहासिक प्रेरणा स्थल, ध्यान तथा **'भारतीय ज्ञान प्रणाली'** आधारित एक वृहद राष्ट्रीय आयोजन की योजना प्रस्तावित है।

मध्यप्रदेश राज्य की स्थापना दिवस पर आयोजित इस अनुष्ठान का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय विमर्श के 'पंच परिवर्तन' के अन्तर्गत **"पारम्परिक सांस्कृतिक स्वबोध"** के संदेश को प्रसारित करते हुए "भारत की जनपदीय सांस्कृतिक धरोहरों तथा लोक संस्कृति के अद्भूत स्थापल्य" के प्राकटयोत्सव में जन–जन को जोड़ना, शिक्षा–संस्कृति के क्षेत्र में शोध–अनुसन्धान की सम्भावनाओं के साथ ही पर्यटन मानत्रित में नई विधाओं को जोड़ना शामिल हैं।

निर्देशानुसार कुल सचिव, समस्त शासकीय विश्वविद्यालय, मध्यप्रदेश, सचिव, मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग, भोपाल एवं प्राचार्य, समस्त शासकीय महाविद्यालय, मध्यप्रदेश संदर्भित पत्र में दिए गए निर्देशानुसार कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

संलग्न– उपरोक्तानुसार,

(आयुक्त, उच्च शिक्षा द्वारा अनुमोदित)

(signature) 18/8/26

(डॉ. दिनेश दवे)
विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी
उच्च शिक्षा मध्यप्रदेश भोपाल

निरन्तर......2,

पृ. क्रमांकः 1316/272/आउशि/शअकादमी/2026 भोपाल, दिनांक 18/08/2026

प्रतिलिपि–

1. विशेष सहायक, माननीय मंत्री जी, उच्च शिक्षा विभाग,मंत्रालय,भोपाल, मध्यप्रदेश।
2. स्टॉफ ऑफिसर, अपर मुख्य सचिव, मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग, मंत्रालय, भोपाल।
3. निज सहायक, आयुक्त, उच्च शिक्षा संचालनालय, सतपुड़ा भवन, भोपाल, मध्यप्रदेश।
4. निज सहायक, कुलगुरू, समस्त शासकीय विश्वविद्यालय, मध्यप्रदेश।
5. अध्यक्ष, मध्यप्रदेश निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग, भोपाल।
6. समस्त क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा मध्यप्रदेश ।
7. विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी, आई.टी. शाखा, उच्च शिक्षा संचालनालय, भोपाल। कृपया विभागीय बेवसाईट पर अपलोड करने हेतु।

...........की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी
उच्च शिक्षा मध्यप्रदेश भोपाल

पंजी.क्रमांक-272/आउशि/अप्र/2026
दिनांक 18/8/2026

भारतीय युवा संसद

Indian Youth Parliament: Central India Session

मध्य भारत राष्ट्रीय सत्र : पारम्परिक सांस्कृतिक स्वबोध
कार्तिक कृष्ण पक्ष षष्ठी-सप्तमी विक्रम संवत-२०८३
दिनांक: 31 अक्टूबर-01 नवम्बर, 2026
धर्मराजेश्वर ब्राह्मणशैलमन्दिर, हरिहरक्षेत्र, मन्दसौर (मध्यप्रदेश)

क्रमांक: 10/31-01/11 श्रावण कृष्णा ०७, वि.सं. २०८३ दि.: 05 अगस्त, 2026

प्रतिष्ठा में,
श्री इन्द्रसिंह परमार जी, मा.मन्त्री
उच्च एवं तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश शासन
भोपाल (भारत)

विषय: मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर 'पंच परिवर्तन' के अन्तर्गत "पारम्परिक सांस्कृतिक स्वबोध" पर आधारित "भारत की जनपदीय सांस्कृतिक धरोहरों तथा लोक संस्कृति के अद्‌भुत स्थापत्य" पर सामाजिक/सामुदायिक संवाद आयोजन में उच्च-तकनीकी शिक्षा विभाग के सहयोग की आकांक्षा।

महोदय, सादर अभिवादन !

मध्यप्रदेश में आपके लोकसभा क्षेत्र मन्दसौर की गरोठ/शामगढ़ तहसील के चंद्वासा में, सुवासरा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत स्थित श्री धर्मराजेश्वर ब्राह्मण शैल मंदिर अत्यंत भव्य एकाश्मक (मोनोलिथिक) स्थापत्य है। अद्‌भुत वास्तुकला के कारण 'एलोरा' की श्रेणी में हमारी ऐतिहासिक धरोहर और आध्यात्मिक चेतना का महान केंद्र है।

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस कार्तिक कृष्णा षष्ठी-सप्तमी विक्रम संवत-२०८३) 31 अक्टूबर-01 नवम्बर, 2026) को भारतीय युवा संसद न्यास तथा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में "स्वबोध" के इस ऐतिहासिक प्रेरणा स्थल, ध्यान तथा 'भारतीय ज्ञान प्रणाली' (IKS) पर आधारित एक वृहद् राष्ट्रीय आयोजन की योजना प्रस्तावित है।

मध्यप्रदेश राज्य की स्थापना दिवस पर आयोजित इस अनुष्ठान का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय विमर्श के 'पंच परिवर्तन' के अन्तर्गत "पारम्परिक सांस्कृतिक स्वबोध" के संदेश को प्रसारित करते हुए "भारत की जनपदीय सांस्कृतिक धरोहरों तथा लोक संस्कृति के अद्‌भुत स्थापत्य" के प्राकट्योत्सव से जन-जन को जोड़ना, शिक्षा-संस्कृति के क्षेत्र में शोध-अनुसन्धान की सम्भावनाओं के साथ ही पर्यटन मानचित्र में नई विधाओं को जोड़ना शामिल हैं।

अतः आपसे सविनय निवेदन है कि उच्च-तकनीकी शिक्षा विभाग का आधिकारिक सहकार, मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान करने की कृपा करें, ताकि मध्यप्रदेश राज्य स्थापना दिवस अवसर पर जनपदीय सांस्कृतिक धरोहर के प्राङ्गण में शिक्षा-संस्कृति के क्षेत्र में शोध-अनुसन्धान के नए आयामों को बल मिलें।

आपके सकारात्मक प्रत्युत्तर और सहयोग की आकांक्षा के साथ।

सविनय,

आशुतोष

(आशुतोष जोशी)
राष्ट्रीय संयोजक-भारतीय युवा संसद
संपर्क: +91-9413994475, +91-9610612980
ईमेल: yuwasansad@gmail.com
वेबसाइट: indianyouthparliament.co.in

भारतीय युवा संसद

Indian Youth Parliament:
Democracy Day Jaipur
Rajasthan National Session
Dt. 15-16-17 September, 2026

क्रमांक: 10/31-01/11 श्रावण कृष्णा ०७, वि.सं. २०८३ दि.: 05 अगस्त, 2026

प्रतिष्ठा में,
श्री इन्द्रसिंह परमार जी, मा.मन्त्री
उच्च एवं तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश शासन
भोपाल (भारत)

मा.महोदय,

भारतीय युवा संसद की ओर से हार्दिक अभिवादन।

1999 में स्थापित, हमारी संस्था स्वतंत्र युवा संसदीय मंच है। हम **20 राज्य** और **300 से अधिक विश्वविद्यालयों** में भारतीय युवाओं में गहन लोकतांत्रिक संवाद और शैक्षणिक शोध को बढ़ावा देने हेतु समर्पित है। **31वें राष्ट्रीय अधिवेशन (जयपुर 2026) हेतु आमंत्रण-** इसी विरासत को आगे बढ़ाते हुए, हम आपके **31वें राष्ट्रीय अधिवेशन** हेतु आमंत्रित करते हैं, जो **जयपुर** में **15–17 सितंबर, 2026** तक **अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र दिवस** पर आयोजित किया जाएगा।

विषय: *"लैंगिक समानता की प्राप्तिः क्रियान्वयन द्वारा"* (नारी शक्ति वन्दन अधिनियम परिप्रेक्ष्य(।

संभावित अतिथिगण:

• महामहिम राज्यपाल – राजस्थान महामहिम •राज्यपाल हिमाचल प्रदेश - • महामहिम राज्यपाल – महाराष्ट्र
श्री रवींद्र • महतो अध्यक्ष), झारखंड(• श्रीमती रितु खंडूड़ी अध्यक्ष), उत्तराखंडअध्यक्ष) श्रीमती सुरमा पाधी • (, ओडिशा(
हम इस प्रतिष्ठित मंच पर **आपकी गरिमामयी उपस्थिति को मुख्य अतिथि** के रूप में अनुरोध करते हैं।

शैक्षणिक विरासत एवं नागपुर अधिवेशन (2026)

हमारा हाल ही में संपन्न **29वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन**, **रेशम बाग, नागपुर** में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर रहा, जिसमें **500 जिलों** से **800 विद्यार्थियों** ने भाग लिया। इस अधिवेशन की शैक्षणिक गहराई को दर्शाते हुए, **11 विशेष पुस्तकों** का विमोचन किया गया, जो युवाओं को नीति और शासन में मार्गदर्शन देती हैं:

पंच परिवर्तन श्रृंखला (05 पुस्तकें), **प्राचीन शासन श्रृंखला** – आचार्य मनु, महर्षि वेद व्यास, आचार्य शुक्र, आचार्य कौटिल्य, आचार्य कामन्दक । **"लोकतंत्रः संस्कृति"** –लोकतंत्र को भारत की गहन सांस्कृतिक मूल्य के रूप में प्रस्तुत।

इस अधिवेशन में **मुख्य अतिथि श्री सी.पी. राधाकृष्णन (माननीय उपराष्ट्पति, भारत)** तथा **विशिष्ट अतिथि डॉ. मोहन भागवत (सरसंघचालक, आर.एस.एस.)** उपस्थित रहे, साथ ही राज्यपालों एवं विधानसभा अध्यक्षों की गणमान्य उपस्थिति भी रही।

आशुतोष

(आशुतोष जोशी)
राष्ट्रीय संयोजक-भारतीय युवा संसद

वेबसाइट: www.indianyouthparliament.co.in
ईमेल: yuwasansad@gmail.com मोबाइल: +91-9413994475, +91-9024810119

आयोजन स्वरुप:
दो दिवसीय आयोजन
भारतीय भारतीय युवा संसद
मध्य भारत राष्ट्रीय सत्र : पारम्परिक सांस्कृतिक स्वबोध
दिनांक: 31 अक्टूबर-01 नवम्बर, 2026
धर्मराजेश्वर ब्राह्मणशैलमन्दिर, हरिहरक्षेत्र, मन्दसौर (मध्यप्रदेश
समय: प्रातः 07:30 बजे से सायं 05:00 बजे तक (दोनों दिवस)

विषय:
पारम्परिक सांस्कृतिक स्वबोध
उप विषय:
सांस्कृतिक जागरण की अवधारणा
जनपद संस्कृति के आयाम
स्वबोध शिक्षा-अनुसन्धान
सांस्कृतिक धरोहर
जनपद संस्कृति के आयाम
पञ्च परिवर्तन:
सामाजिक समरसता
कुटुंब प्रबोधन
पर्यावरण संरक्षण
स्वदेशी आचरण / 'स्व' का बोध
नागरिक कर्तव्य

प्रथम दिवस
अल्पाहार
परिचय-आमुखीकरण
कार्यशाला
अन्तर्राष्ट्रीय विषयों पर चर्चा
उद्घाटन कार्यक्रम
तकनीकी सत्र - स्वबोध
भोजन
तकनीकी सत्र - सांस्कृतिक जागरण की अवधारणा
तकनीकी सत्र - जनपद संस्कृति के आयाम
गौधूलि सत्र -सांस्कृतिक संध्या
भोजन

द्वितीय दिवस:
अल्पाहार
समीक्षा
कार्यशाला
राष्ट्रीय-क्षेत्रीय विषयों पर चर्चा
तकनीकी सत्र - भारतीय स्थापत्य के आयाम
तकनीकी सत्र - स्वबोध शिक्षा-अनुसन्धान
भोजन
तकनीकी सत्र - सांस्कृतिक धरोहर
समापन सत्र - जनपद संस्कृति के आयाम
गौधूलि सत्र -दीक्षान्त/सम्मान
भोजन

आयोजन स्थल एवं उसकी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:

धर्मराजेश्वर मंदिर (ब्राह्मण शैल मंदिर सनातन केंद्र) मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले की गरोठ तहसील (चंदवासा ग्राम के पास) में स्थित **एक ही विशाल प्राकृतिक चट्टान को काटकर बनाया गया (Monolithic Rock-cut) एक प्राचीन और ऐतिहासिक मंदिर है**। इसे अपनी अनूठी वास्तुकला के कारण **"मालवा का एलोरा"** या **"छोटा एलोरा"** भी कहा जाता है, क्योंकि इसकी निर्माण शैली महाराष्ट्र के प्रसिद्ध एलोरा कैलाश मंदिर से काफी मिलती-जुलती है।

इस अद्भुत सनातन केंद्र का संक्षिप्त परिचय इस प्रकार है:

1. अनूठी वास्तुकला (शैल-कर्तित स्थापत्य)

- **नींव से नहीं, शिखर से निर्माण**: इस मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसे नीचे से ऊपर की ओर नहीं, बल्कि एक **विशाल पहाड़ को ऊपर से नीचे की ओर काटते हुए** तराशा गया है।
- **आकार**: यह पूरा मंदिर परिसर **50 मीटर लंबा, 20 मीटर चौड़ा और 9 मीटर गहरा** है, जिसे जमीन के अंदर एक विशाल गड्ढा या खाई जैसी आकृति बनाकर बीचों-बीच तराशा गया है।
- **मुख्य मंदिर और उप-शाइन**: केंद्र में 14.53 मीटर ऊंचा पिरामिड नुमा मुख्य मंदिर (उत्तर भारतीय नागर शैली के शिखर के साथ) है, जो चारों ओर से **7 छोटे सहायक मंदिरों (उप-शालों)** से घिरा हुआ है। ये छोटे मंदिर भगवान भैरव, मां काली, गरुड़ और माता पार्वती जैसे विभिन्न देवी-देवताओं को समर्पित हैं।

2. धार्मिक महत्व और गर्भगृह (हरिहर रूप)

- **शिव और विष्णु का संगम**: इतिहास के अनुसार, आरंभ में यह **भगवान विष्णु (हरि)** को समर्पित मंदिर था, लेकिन बाद में इसे **भगवान शिव (हरर)** के रूप में भी पुनर्गठित किया गया।
- **गर्भगृह**: मंदिर के मुख्य गर्भगृह में एक **विशाल शिवलिंग और भगवान विष्णु की मूर्ति दोनों एक साथ विराजमान हैं**, जो सनातन धर्म के 'हरिहर' (शिव-विष्णु एकता) प्रतीक को दर्शाती हैं। इसके प्रवेश द्वार पर भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी की सुंदर नक्काशी है।

3. ऐतिहासिक काल और पौराणिक मान्यताएं

- **निर्माण काल**: इतिहासकारों और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) के अनुसार, इस भव्य मंदिर का निर्माण **8वीं से 9वीं शताब्दी (गुर्जर-प्रतिहार काल)** के दौरान हुआ था। कुछ शोधकर्ता इसकी प्राचीनता को 4थी-5वीं शताब्दी के काल से भी जोड़ते हैं।
- **महाभारत कालीन किंवदंती**: स्थानीय लोक मान्यताओं के अनुसार, पांडवों ने अपने अज्ञातवास का कुछ समय यहां बिताया था और इस पूरे मंदिर व पास की गुफाओं का निर्माण **महाबली भीम ने केवल एक रात में** किया था। मंदिर के समीप ही भीम की एक शयन मुद्रा वाली प्रतीकात्मक प्रतिमा (स्थान) भी है।

4. सांस्कृतिक संगम (बौद्ध और जैन गुफाएं)

- यह क्षेत्र केवल हिंदू सनातन संस्कृति का ही नहीं बल्कि सर्वधर्म समभाव का केंद्र है। मंदिर के ठीक समीप ही **धमनार की प्रसिद्ध बौद्ध गुफाएं और स्तूप** मौजूद हैं। साथ ही, इसके पास की चट्टानों में जैन तीर्थंकरों (ऋषभदेव, नेमिनाथ, पार्श्वनाथ आदि) की मूर्तियों से युक्त प्राचीन गुफाएं भी हैं।

सम्भावित अतिथि:

महामहिम उपराष्ट्रपति - भारत शासन
मा. लोकसभा अध्यक्ष
महामहिम राज्यपाल - मध्यप्रदेश शासन
मा. केन्द्रीय मन्त्री - संस्कृति मन्त्रालय
मा. मुख्यमन्त्री - मध्यप्रदेश शासन
मा. उपमुख्यमन्त्री - मध्यप्रदेश शासन
मा. मन्त्री - उच्च एवं तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश शासन
मा. मन्त्री - संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग
मा. सांसद - मन्दसौर नीमच लोकसभा
मा. सांसद - राज्यसभा मध्यप्रदेश
श्री सुरेश भैयाजी जोशी, पूर्व सरकार्यवाह- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ
श्री मुकुल कानिटकर जी, विमर्श प्रमुख- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ
श्री एसके तिजारेवाला, मीडिया एडवाइजर-पतंजलि
श्री शंकराचार्य ज्ञानानंद तीर्थ, भानपुरा अवांतर पीठ
श्री बालयोगी उमेश नाथ महाराज, राज्यसभा सांसद वाल्मीकि धाम, उज्जैन

स्वागत/आयोजन समिति:

श्री इन्द्रसिंह परमार जी, मा.मन्त्री उच्च एवं तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश शासन
श्री सुधीर गुप्ता, सांसद- मन्दसौर नीमच लोकसभा
प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी, कुलपति-केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
श्री प्रदीप पाण्डेय, पूर्व उपाध्यक्ष- जन अभियान परिषद् (म.प्र. सरकार)
श्री ओम प्रकाश सखलेचा, पूर्व मन्त्री विधायक- जावद नीमच
श्री दिलीप सिंह परिहार, विधायक- नीमच
श्री देवीलाल धाकड़, पूर्व विधायक-गरोठ
श्री हरदीप डंग, विधायक-सुवासरा
श्री चन्द्रसिंह सिसोदिया, विधायक-गरोठ
श्री संजय गुप्ता,आईएएस पूर्व सचिव-धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग
डॉ. भरत व्यास, विशाधिकारी - उच्च शिक्षा एवं तकनीकी मन्त्री
श्री पवन पाटीदार पिछड़ा वर्ग मोर्चा
संयोजक: श्री आशुतोष जोशी, राष्ट्रीय संयोजक-भारतीय युवा संसद
सम्पर्क सूत्र : श्री रवि उपाध्याय, आयोजन प्रबन्धक – म.प्र. स्थापना दिवस +91-8982717146

उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन:

राज्य विश्वविद्यालय/निजी विश्वविद्यालय/शासकीय महाविद्यालयों के कुल 700 विद्यार्थियों की पंजीयन शुल्क सहित सहभागिता।

विभागीय सक्षम स्वीकृति के बाद सहभागिता प्रमाण पत्र पर मा. शिक्षा मन्त्री के हस्ताक्षर तथा आयोजन में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन का नाम/लोगो सभी स्थानों पर प्रदर्शित होगा।

विश्वविद्यालय-महाविद्यालय द्वारा कुलपति प्राधिकार/छात्र कल्याण कोष/छात्र कल्याण कार्यालय/राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत संस्थान के प्रयोजन में अधिकृत/सक्षम आदेश द्वारा छात्रों की सहभागिता सुनिश्चित की जा सकती हैं।

रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया:

रजिस्ट्रेशन www.indianyouthparliament.co.in पर 21 जून, 2026 विश्व योग दिवस से आरम्भ होगी।

पंजीयन एवं आवास :

अनावासीय :

1800/- 17-21 वर्ष आयु वर्ग हेतु।
2100/- 21 वर्ष से अधिक आयु हेतु।
2500/- 21 वर्ष से अधिक आयु हेतु।
(02 प्रातः जलपान, 02 दोपहर भोजन, 02 रात्रि भोजन, बैग, फोल्डर, टी शर्ट/कुर्त्ता, लेखन पैड, पेन, क्वेश्चन स्लिप, फूड कूपन, प्रकाशन, सहभागिता प्रमाण-पत्र।)

आवासीय:

9500/- सभी आयु वर्ग हेतु।
आवास व्यवस्था दिनांक 30 अक्टूबर, 2026 सायं से 02 अक्टूबर, 2026 तक उपलब्ध रहेगा।
(स्थानीय आवागमन के साथ 03 प्रातः जलपान, 02 दोपहर भोजन, 03 रात्रि भोजन, बैग, फोल्डर, टी शर्ट/कुर्त्ता, लेखन पैड, पेन, क्वेश्चन स्लिप, फूड कूपन, प्रकाशन, सहभागिता प्रमाण-पत्र।)

भारतीय युवा संसद (IYP) का 29वां राष्ट्रीय सत्र : विवरण:

भारतीय युवा संसद (IYP) का 29वां राष्ट्रीय सत्र 23 मार्च 2026 को नागपुर, महाराष्ट्र में संपन्न हुआ। यह चार दिवसीय राष्ट्रीय संवाद था, जिसका उद्देश्य युवा दृष्टिकोण को शासन और सांस्कृतिक विरासत के साथ जोड़ना था।

सत्र की मुख्य विशेषताएं (Session Highlights):

- विषय (Theme): "भारतीय भाषाएँ: पंच परिवर्तन – विकसित भारत@2047"।
- स्थान (Venue): महर्षि व्यास सभागार, डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति, रेशिमबाग, नागपुर।

आयोजक (Organizer):

□ **केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (CSU), नई दिल्ली:** शिक्षा मंत्रालय के अधीन मुख्य शैक्षणिक भागीदार के रूप में, CSU ने इस सत्र को भारतीय ज्ञान प्रणाली (IKS) के साथ जोड़ा। CSU के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी ने आयोजन समन्वयक (Organizing Coordinator) के रूप में कार्य किया।

□ **भारतीय युवा संसद (IYP):** भारतीय युवा संसद का संचालन और शासन वास्तव में 'इंडियन यूथ पार्लियामेंट ट्रस्ट' के नाम से एक राष्ट्रीय स्तर के ट्रस्ट के रूप में किया जाता है। यह ट्रस्ट इस पहल के लिए कानूनी और प्रशासनिक रीढ़ की हड्डी के रूप में कार्य करता है, जो इसके राष्ट्रीय सत्रों की निरंतरता सुनिश्चित करता है। यह ट्रस्ट नागपुर (मार्च 2026) में 29वें सत्र और जयपुर (सितंबर 2026) में 31वें सत्र जैसे बड़े पैमाने के राष्ट्रीय सत्रों के आयोजन के लिए जिम्मेदार आधिकारिक निकाय है। □ **सहयोग (Collaborations):** यह शिक्षा मंत्रालय, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय और विभिन्न राज्य विधानसभाओं के साथ साझेदारी के लिए हस्ताक्षरकर्ता और समन्वयकारी संस्था के रूप में कार्य करता है। सत्रों के दौरान जारी किए गए विशिष्ट प्रकाशनों, जिनमें 'पंच परिवर्तन' और 'प्राचीन शासन' (Ancient Governance) पुस्तक श्रृंखला शामिल है, के कॉपीराइट का प्रबंधन भी इसी ट्रस्ट द्वारा किया जाता है। ट्रस्ट के कार्यों का नेतृत्व श्री आशुतोष जोशी करते हैं, जो राष्ट्रीय संयोजक (National Convenor) के रूप में कार्यरत हैं।

अन्य प्रमुख सहयोगी (Other Key Collaborators):

□ भारतीय भाषा समिति (शिक्षा मंत्रालय): यह समिति भारत की भाषाई विरासत पर सत्र के ध्यान को केंद्रित करने में सहायक रही। उन्होंने सुनिश्चित किया कि संवाद में 22 अनुसूचित भाषाओं को एकीकृत किया जाए और राष्ट्रीय एकीकरण का समर्थन करने के लिए उच्च शिक्षा में मातृभाषाओं के उपयोग पर जोर दिया जाए। □ मीडिया फाउंडेशन: यह मुख्य आयोजन निकाय है जिसने चार दिवसीय राष्ट्रीय संवाद को निष्पादित करने के लिए मंत्रालय के संस्थानों के साथ समन्वय किया। □ वॉटर पार्लियामेंट: 'पंच परिवर्तन' ढांचे के भीतर पर्यावरण और जमीनी स्तर के सामुदायिक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए भागीदारी की।□ कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय (KKSU), रामटेक: इसने स्थानीय विश्वविद्यालय भागीदार के रूप में कार्य किया, जिसने विदर्भ क्षेत्र में प्रतिनिधियों को क्षेत्रीय शैक्षणिक गहराई और रसद (Logistical) सहायता प्रदान की।

संवैधानिक नेतृत्व: माननीय **उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन जी** और **राज्यपाल श्री जिष्णु देव वर्मा जी**, जिनके गरिमामयी उद्बोधन ने हमें 'अमृत पीढ़ी' के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का बोध कराया। **वैचारिक और आध्यात्मिक अधिष्ठान: डॉ. मोहन भागवत जी** (सरसंघचालक, RSS) और **डॉ. कृष्ण गोपाल जी**, जिन्होंने 'स्व-बोध' और 'संविधान' के अंतर्संबंधों को स्पष्ट कर हमें वैचारिक समरसता का मार्ग दिखाया। **चिन्ना जीयर स्वामी जी** और **पेजावर मठ के स्वामी जी** के आध्यात्मिक आशीर्वाद ने इस विधायी चर्चा को एक पवित्र यज्ञ बना दिया। **अकादमिक और भाषाई मार्गदर्शन:** केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति **प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी जी**, **प्रो. मदन मोहन झा जी**, **श्री चमू कृष्ण शास्त्री जी** और **श्री मुकुल कानिटकर जी** का विशेष आभार, जिन्होंने हमें अपनी भाषाओं और भारतीय ज्ञान परंपरा पर गर्व करना सिखाया।

प्रशासनिक एवं विधायी प्रेरणा: महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष **एड. राहुल नार्वेकर जी** और बिहार विधानसभा अध्यक्ष **डॉ. प्रेम कुमार जी** का धन्यवाद, जिन्होंने हमें संसदीय मर्यादाओं और जमीनी नेतृत्व के गुर सिखाए। **डॉ. अतुल नारायण वैद्य जी** का आभार, जिन्होंने विज्ञान और पर्यावरण को हमारी चर्चाओं का आधार बनाया।

आयोजक और स्थानीय प्रशासन: नागपुर की **महापौर श्रीमती नीता ठाकरे जी**, **विधायक विकास ठाकरे जी**, और **आशुतोष जोशी जी** (राष्ट्रीय संयोजक, IYP) के नेतृत्व।

भागीदारी: जिले और भाषाएँ : भारत के भौगोलिक और भाषाई परिदृश्य का व्यापक प्रतिनिधित्व देखा गया:

• **प्रतिभागी:** विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों के लगभग 750-800 चयनित युवा प्रतिनिधि।

प्रतिनिधित्व वाले जिले:संस्थागत और जिला स्तर पर त्रि-स्तरीय चयन प्रक्रिया के बाद 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 300 से अधिक जिलों का प्रतिनिधित्व।

भाषाई विविधता: 22 अनुसूचित भाषाओं में आधिकारिक भागीदारी दर्ज की गई, जिसमें संस्कृत और उत्तर-पूर्वी क्षेत्रीय बोलियों के लिए विशेष सत्र समर्पित थे।

भाषाई प्रतिनिधित्व: उत्तर-पूर्वी राज्यों (मेघालय, मिजोरम, मणिपुर, सिक्किम, असम) के साथ-साथ दक्षिणी और उत्तरी क्षेत्रों के क्षेत्रीय दृष्टिकोणों को एकीकृत करने पर विशेष ध्यान दिया गया।

नागपुर में 29वें राष्ट्रीय सत्र (मार्च 2026) में मीडिया फाउंडेशन और भारतीय युवा संसद द्वारा प्रकाशित 11 विशिष्ट पुस्तकों का एक प्रमुख शैक्षणिक विमोचन किया गया। ये पुस्तकें आधुनिक शासन के साथ प्राचीन भारतीय ज्ञान को एकीकृत करने के लिए तैयार की गई थीं।

IYP नागपुर के 11 प्रकाशन (2026):

1. **पंच परिवर्तन श्रृंखला (05 पुस्तकें):**

यह श्रृंखला विकसित भारत@2047 के लिए आवश्यक पांच प्रमुख परिवर्तनों पर केंद्रित है:

• पुस्तक 1: पंच परिवर्तन: सामाजिक समरसता

• पुस्तक 2: पंच परिवर्तन: कुटुंब प्रबोधन (पारिवारिक मूल्य/शिक्षा)

• पुस्तक 3: पंच परिवर्तन: पर्यावरण (पर्यावरण और स्थिरता)

• पुस्तक 4: पंच परिवर्तन: स्वदेशी (आत्मनिर्भरता और स्थानीय अर्थव्यवस्था)

• पुस्तक 5: पंच परिवर्तन: नागरिक कर्तव्य

2. **प्राचीन शासन श्रृंखला (05 पुस्तकें):**

ये पुस्तकें पांच महान भारतीय राजनीतिक विचारकों के कालातीत नेतृत्व के पाठों को आधुनिक प्रशासन के ढांचे के रूप में प्रस्तुत करती हैं:

• पुस्तक 6: आचार्य मनु - कानून और सामाजिक व्यवस्था की नींव पर केंद्रित।

• पुस्तक 7: महर्षि वेद व्यास - नैतिक नेतृत्व और सत्ता की नैतिकता (राजधर्म) पर केंद्रित।

• पुस्तक 8: आचार्य शुक्र - प्रशासनिक प्रबंधन और शुक्रनीति पर केंद्रित।

• पुस्तक 9: आचार्य कौटिल्य - आर्थिक नीति (अर्थशास्त्र) और कूटनीति पर केंद्रित।

• पुस्तक 10: आचार्य कामंदक - कूटनीति और नीतिसार पर केंद्रित।

3. **लोकतंत्र का मील का पत्थर (01 पुस्तक):**

• पुस्तक 11: लोकतंत्र: संस्कृति

यह आधारशिला प्रकाशन "लोकतंत्र" की अवधारणा को न केवल एक राजनीतिक प्रणाली के रूप में, बल्कि भारत के एक गहरे सांस्कृतिक मूल्य के रूप में प्रस्तुत करता है, जिसे प्राचीन सभाओं से लेकर आधुनिक संसद तक खोजा गया है।